मूल्य 1 रु.

वर्षः 11 - अंक : 51, मुंबई, सोमवार, 5 अप्रैल, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

महाराष्ट्र में वीकेंड... लॉकडाउन का ऐलान

यह फोटो मुंबई के जुहू बीच की है, यहां कोरोना के खतरे के बावजूद रविवार को बड़ी संख्या में लोग छुट्टी मनाने पहुंचे

अखबार और न्यूज संबंधी व्यवस्था चालू रहेगी...

सैलून, थियेटर, वीडियो पार्लर, क्लब, स्विमिंग पूल, स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स और वाटर पार्क पूरी तरह से रहेंगे बन्द

'ब्रेक द चेन' के तहत महाराष्ट्र में रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक नाइट कर्फ्यू रहेगा, वहीं दिन भर धारा 144 लागू रहेगी। इस दौरान एक जगह पर 5 लोगों से अधिक लोग नहीं इकट्ठा हो सकते हैं

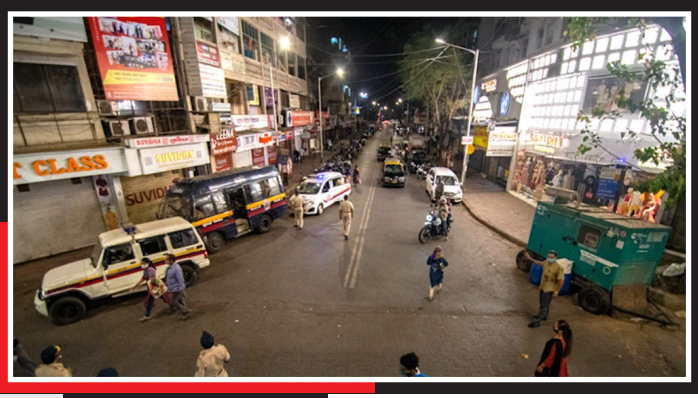

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में तेजी से बढ़ रहे कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों को देखते हुए सप्ताहांत में शुक्रवार रात आठ बजे से सोमवार सुबह सात बजे तक लॉकडाउन लागू करने की रविवार को घोषणा की। साथ ही, सोमवार से 30 अप्रैल तक रात्रिकालीन कर्फ्यू लागू करने की भी घोषणा की। (शेष पृष्ठ 3 पर)

होम डिलीवरी करने वाले लोग वैक्सीन लेने के बाद ही डिलीवरी करने जाएंगे, ऐसे में अगर कोई भी डिलीवरी करने वाले ने वैक्सीन नहीं ली है तो कंपनी के ऊपर एक हजार रुपए का जुर्माना देय होगा

आईपीएल 2021: लॉकडाउन के बावजूद मुंबई में ही होंगे मैच, बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने की पुष्टि

रिक्शा, टैक्सी, निजी वाहन के लिए नियम

परिवहन सेवाओं को वाहनों में सिटिंग कैपसिटी के हिसाब से छूट मिलेगी। रिक्शा, टैक्सी और निजी वाहनों को 50 प्रतिशत सिटिंग क्षमता के साथ चलने की अनुमति होगी।

मॉल-थिअटर रहेंगे बंद

वीकेंड लॉकडाउन के दौरान थिअटर, रेस्ट्रॉन्ट, मॉल और बार में लोगों का आना-जाना प्रतिबंधित रहेगा। इन प्रतिष्ठानों में सिर्फ पार्सल सेवाएं जारी रहेंगी। सरकारी कार्यालयों को 50 फीसदी क्षमता के साथ ही खोला जाएगा। निर्धारित मानकों के हिसाब से प्रोडक्शन सेक्टर, इंडस्ट्रीज और सब्जी मंडियां संचालित होंगी।

शूटिंग पर पाबंदी

फिल्म की शूटिंग को लेकर भी नियम बनाए गए हैं। जिन फिल्मों की शूटिंग में ज्यादा आर्टिस्ट्स और कर्मचारियों को मौजूद रहना पड़े, ऐसी शूटिंग्स को भी अनुमति नहीं मिलेगी। बिना भीड़ के फिल्म शूट्स की अनुमति होगी लेकिन थिअटर्स बंद रहेंगे।

महाराष्ट्र में रविवार को कोराना के 57 हजार से ज्यादा मामले, 222 की मौत

मनसे ने अपने कार्यकर्ताओं को महाराष्ट्र सरकार के फैसले का समर्थन करने के लिए कहा

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे राज्य में कोविड-19 के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए सरकार द्वारा लिए गए फैसले का समर्थन करें। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे से फोन पर बातचीत की और उनसे अपील की कि अगर राज्य सरकार संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए लॉकडाउन लगाने पर मजबूर होती है तो वे राज्य सरकार के फैसले में सहयोग करें। इसके बाद मनसे ने यह बयान दिया। पार्टी ने एक ट्वीट में कहा, कृपया सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग करें और सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

हमारा विरोध हमारी पार्टी से नहीं... हमारा विरोध अंकुश मालुसरे से हैं: अमित सिंह ठाकुर

अमित सिंह ठाकुर
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी
मिरा भाईंदर

'पार्टी के वरिष्ठ नेता और हमारे प्रांत अध्यक्ष श्री जयंत दादा पाटील जी से भी निवेदन है कि इस विषय को गंभीरता से लें और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को मीरा भायंदर में खत्म होने से बचा लें'

मुंबई। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से भी अनुरोध करता हूं की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की कमान ऐसे भ्रष्टाचारी व्यक्ति के हाथ में ना दे इससे पार्टी की छवि को नुकसान पहुंच सकता है और आने वाले महानगर पालिका के चुनाव में हमे बड़ी हार का सामना करना पड़ सकता है। बाहर से कितने भी बड़े या अच्छे नेता आजाये लेकिन अगर स्थानिक नेतृत ही ऐसा होगा तो हमारी पार्टी का कभी विकास नहीं होगा। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

ताकि न उठे सवाल

किसी प्रत्याशी की गाड़ी में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का पाया जाना दुखद और अवैधानिक है। असम से जो शिकायत आई है, वह इतनी गंभीर है कि स्वयं चुनाव आयोग को संबंधित चार अधिकारियों को निलंबित करना पड़ा है। अगर मतदान के बाद ईवीएम मशीन को स्ट्रॉन्ग रूम तक पहुंचाने का सरकारी इंतजाम नहीं था, तब मतदान केंद्र पर ही मशीन के साथ इंतजार करना चाहिए था। चुनाव आयोग के पास वाहन न होने के बहाने को स्वीकार नहीं किया जा सकता। संसाधनों की कोई कमी न हो, इसीलिए चुनाव अनेक चरणों में कराए जा रहे हैं। आयोग ने सभी केंद्रों को परिवहन सुविधा से जोड़ने के लिए तमाम इंतजाम किए ही होंगे, तब भी अगर कहीं वाहन का टोटा सामने आया, तो यह अपने आप में बड़ी चिंता की बात है। उससे भी बड़ी चिंता यह कि आयोग की गाड़ी उपलब्ध न होने पर किसी प्रत्याशी की गाड़ी में ईवीएम रख दी जाए! यह चुनावी व्यवस्था के साथ खिलवाड़ है। अगर प्रत्याशी के वाहन में ईवीएम मशीन के साथ चुनाव अधिकारी भी बैठे थे, तो भी मामला बहुत गंभीर है। शिकायत आने के बाद चुनाव आयोग ने रतबरी क्षेत्र के उस मतदान केंद्र पर पुनर्मतदान का सही फैसला लिया है। पूरे चुनाव में हर जगह आयोग को अपने इंतजामों को पुनः परख लेना चाहिए। यह भूलना नहीं चाहिए कि चुनाव आयोग या देश में चुनाव कितनी मुश्किल से सुधार की सीढ़ियां चढ़ा है। कितने संघर्ष और बलिदान के बाद चुनावी प्रक्रिया आज इस स्थिति में पहुंची है कि दुनिया भारत से चुनाव कराना सीखती है। ऐसी उज्ज्वल छवि वाले चुनाव आयोग को विगत कुछ समय से अगर चुनाव कराने में समस्याएं आ रही हैं, तो यह समय पुनः मुस्तैद होने का है। जिन राज्यों में इस वक्त विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, वहां से लगातार छोटी-बड़ी शिकायतें सामने आ रही हैं। चूंकि चुनाव के दौरान पूरी व्यवस्था चुनाव आयोग के हाथों में होती है, इसलिए किसी भी शिकायत की जिम्मेदारी आयोग को लेनी चाहिए। क्या निचले स्तर पर चुनाव अधिकारी चुनाव के नियम-कायदे भूलने लगे हैं? बहुत मुश्किल से और काफी संसाधनों के उपयोग से इस देश ने अपने लोगों को चुनाव कराने के लिए प्रशिक्षित किया है, इस प्रशिक्षण को फिर से जांचने की जरूरत है। चुनाव कराने की जिम्मेदारी उन्हीं लोगों के हाथों में होनी चाहिए, जो निष्पक्ष हैं। समय बदल चुका है, अब चुनाव की प्रक्रिया और उसके छोटे-छोटे पहलुओं पर राजनीतिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों की निगाह है, अब कमियों को पहले की तरह छिपाया या नजरंदाज नहीं किया जा सकता। हर आदमी सूचना तकनीक से लैस है और निष्पक्ष चुनाव के प्रति लोगों का लगाव बढ़ा है। पश्चिम बंगाल से भी आयोग के पास शिकायतें लगातार पहुंच रही हैं, उन शिकायतों का निपटारा ऐसे पारदर्शी तरीके से होना चाहिए कि किसी भी दल को गंभीर शिकायत का मौका न मिले। चुनावी तंत्र की निष्पक्षता न केवल हमारे देश को मजबूत करती है, बल्कि राजनीतिक दलों को भी अनुशासन में रहने के लिए पाबंद करती है। अतः किसी भी दल के दबाव में आए बिना आयोग को वही करना चाहिए, जो उसके नियम-कायदों में बहुत ठोक-बजाकर दर्ज किया गया है। चुनावी प्रक्रिया के किसी भी मोड़ पर गुणवत्ता से समझौता लोकतंत्र से समझौता होगा, जो देश के हित में नहीं है।

घर के दरवाजे वाले बाजार का नियमन

कोरोना संक्रमण से निर्मित हुई ऑनलाइन खरीदारी देश के कोने-कोने में करोड़ों उपभोक्ताओं की आदत और व्यवहार का अभिन्न अंग बन गई है। ऑनलाइन उत्पादों के कैटलॉग चेक करके मनपसंद वस्तुओं की एक क्लिक पर वापसी की सुविधा के साथ घर के दरवाजे पर डिलीवरी का लाभप्रद बाजार ई-कॉमर्स की देन है। देश में ई-कॉमर्स कितनी तेजी से छलांगें लगाकर आगे बढ़ रहा है, इसका अनुमान ई-कॉमर्स से संबंधित कुछ नई रिपोर्टों से लगाया जा सकता है। विश्व प्रसिद्ध ग्लोबल प्रोफेशनल सिंवसेज फर्म अलवारेज एंड मार्सल इंडिया और सीआइआइ इंस्टीट्यूट ऑफ लॉजिस्टिक्स द्वारा तैयार रिपोर्ट के मुताबिक भारत में ई-कॉमर्स का जो कारोबार 2010 में एक अरब डॉलर से भी कम था, वह 2019 में 30 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया और अब 2024 तक 100 अरब डॉलर के पार पहुंच सकता है। गोल्डमैन सैक्श का भी अनुमान है कि भारत का ई-कॉमर्स कारोबार 27 फीसद चक्रवर्ती ब्याज दर से बढ़ते हुए 2024 तक 99 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। अमेरिकी कंपनी एफआइएस की ग्लोबल पेमेंट रिपोर्ट, 2021 में कहा गया है कि भारत में बाय नाउ, पे लेटर के चलते ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम दूसरे देशों की तुलना में तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश में जिस रफ्तार से ई-कॉमर्स बढ़ रहा है, उसी रफ्तार से ई-कॉमर्स के तहत विदेशी निवेश भी बढ़ रहा है। ऐसे में देश में ई-कॉमर्स के चमकीले बाजार तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए दुनियाभर की बड़ी-बड़ी ऑनलाइन कंपनियों के कदम भारत की ओर तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। कोरोना संक्रमण की चुनौतियों का सामना कर रहे देश के करोड़ों लोगों के लिए घर बैठे सामान प्राप्त करने की प्रवृत्ति जीवन का अहम भाग बन गई है। विभिन्न वैश्विक अध्ययन रिपोर्टों के मुताबिक बड़ी संख्या में लोगों का मानना है कि वे अब खरीदारी के लिए भीड़भाड़ में नहीं जाएंगे। भारत में इंटरनेट मीडिया लोकल सर्कल ने पिछले दिनों विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के मद्देजनर एक विशेष सर्वे किया।

इसमें यह बात सामने आई कि 49 फीसद भारतीय अब खरीदारी के लिए ई-कॉमर्स साइट एवं एप को वरीयता देने लगे हैं। बढ़ते डिजिटलीकरण, इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की लगातार बढ़ती संख्या, मोबाइल और डाटा पैकेज, दोनों का सस्ता होना भी ई-कॉमर्स के बढ़ने के प्रमुख कारण हैं। मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडिया ट्रैफिक इंडेक्स, 2021 के मुताबिक डाटा खपत बढ़ने की रफ्तार पूरी दुनिया में सबसे अधिक भारत में है। पिछले वर्ष 10 करोड़ नए 4जी उपभोक्ताओं के जुड़ने से देश में उनकी संख्या 70 करोड़ से अधिक हो गई है। ट्राई के मुताबिक जनवरी 2021 में भारत में ब्राडबैंड उपयोग करने वालों की संख्या बढ़कर 75.76 करोड़ पहुंच गई। रेडसीर कंसल्टिंग की नई रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2019-20 में जो डिजिटल भुगतान बाजार करीब 2,162 हजार अरब रुपये रहा, वह 2025 तक तीन गुना से भी अधिक बढ़कर 7,092 हजार अरब रुपये पर पहुंच जाना अनुमानित है। देश में पहली बार ई-कॉमर्स का इस्तेमाल कर रहे लोगों को खरीदारी में आसानी हो, इसके लिए कुछ कंपनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में खरीद की सुविधा शुरू किए जाने से भी ई-कॉमर्स बढ़ा है। जैसे-जैसे देश में ई-कॉमर्स आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे विभिन्न औद्योगिक संगठनों और छोटे उद्योगों-कारोबारियों की ई-कॉमर्स के प्रति शिकायतें भी बढ़ रही हैं। इनका कहना है कि विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा गलाकाट प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपने मार्केट प्लेटफॉर्मों के संचालन के लिए भारत में लाखों करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। देश के छोटे कारोबारियों द्वारा यह भी कहा गया है कि अमेजन जैसी ई-कॉमर्स कंपनियां द्वारा अपने प्लेटफॉर्म पर गुपचुप तरीके से भारी छूट उपलब्ध कराकर छोटे कारोबार के भविष्य के सामने चिंताएं की लकीरें खींची जा रही हैं। ऐसे में हाल में सरकार द्वारा विभिन्न पक्षों के साथ नई ई-कॉमर्स नीति को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इसमें देश के उद्योग-कारोबार संगठनों ने कहा कि नई ई-कॉमर्स नीति के तहत छोटे उद्यमियों और कारोबारियों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। ई-कॉमर्स की वैश्विक और भारतीय कंपनियों के लिए समान अवसर मुहैया कराए जाने चाहिए, ताकि छूट और विशेष बिक्री के जरिये बाजार को बिगाड़ा न जा सके। कई बड़ी कंपनियों ने सरकार को सुझाव दिया है कि ई-कॉमर्स में एफडीआइ नीति में स्थायित्व और निरंतरता लाई जाए। नई ई-कॉमर्स नीति तैयार करते समय सरकार का दायित्व है कि इससे देश की विकास आकांक्षाएं पूरी हों और बाजार भी विफलता और विसंगति से बचा रहे। नई नीति के तहत सरकार द्वारा देश में बढ़ते हुए ई-कॉमर्स बाजार में उपभोक्ताओं के हितों और उत्पादों की गुणवत्ता संबंधी शिकायतों के संतोषजनक समाधान के लिए नियामक भी सुनिश्चित किया जाना होगा। इसके तहत ऐसी बहुराष्ट्रीय ई-कॉमर्स कंपनियों पर उपयुक्त नियंत्रण करना होगा, जिन्होंने भारत को अपने उत्पादों का डंपिंग ग्राउंड बना दिया है। नई नीति में ऑनलाइन शॉपिंग से जुड़ी कंपनियों के बाजार, बुनियादी ढांचे के साथ-साथ निर्यात बढ़ाए जाने संबंधी रणनीति भी शामिल करनी होगी। इन रणनीतिक कदमों के साथ-साथ सरकार द्वारा देश के छोटे उद्योग-कारोबार को ई-कॉमर्स से जोड़ने के लिए विशेष सुविधाएं भी सुनिश्चित करनी होंगी। हम उम्मीद करें कि सरकार लगातार बढ़ रहे ई-कॉमर्स की चमकीली संभावनाओं को भुनाने, करोड़ों उपभोक्ताओं को संतुष्ट करने और अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए ई-कॉमर्स कंपनियों तथा देश के उद्योग-कारोबार से संबंधित विभिन्न पक्षों के हितों के बीच उपयुक्त समन्वय से नई ई-कॉमर्स नीति को मूर्तरूप देने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी।

फैसला वापसी का राज

मोदी सरकार अपने कदम वापस नहीं लेती- इस छवि के विपरीत जाते हुए नरेंद्र मोदी सरकार ने छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में भारी कटौती का अपना फैसला वापस ले लिया। हैरतअंगेज यह है कि इसे सीधे इसी रूप में पेश करने के बजाय वित्त मंत्री ने पहले घोषित फैसले को निगरानी के अभाव में लिया गया निर्णय करार दिया। बहरहाल, ये बात किसी से नहीं छिपी है कि इस मामले में सरकार ने इतनी संवेदनशीलता इसलिए दिखाई कि इससे प्रभावित तबका वो है, जो 'नरेंद्र मोदी परिघटना' का बुनियादी आधार है। उसके विरोध को नजरअंदाज करना सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के लिए चुनावी रूप से नुकसानदेह साबित हो सकता था। उसकी चुनावी गणना में ये तबके की नाराजगी वैसी नहीं है, जैसी अब लगभग छह महीने से आंदोलन चला रहे किसानों की है। इस सिलसिले में इस बात का उल्लेख जरूर किया जाना चाहिए कि बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में कटौती कोई एकबारगी

लिया गया फैसला नहीं था। यह नीतिगत ट्रेंड है, जो वर्षों से जारी है। इस नीति का असर यह हुआ है कि बैंकों या डाक घर की बचत योजनाओं में पैसा रखना अब घाटे का सौदा हो गया है। जब मुद्रास्फीति दर लगभग छह फीसदी के करीब है, और अभी भी ज्यादातर योजनाओं पर इससे कम दर से ब्याज मिल रहा हो, तो उसका असल मतलब यह होता है कि आपका पैसा हर महीने अपने मूल्य में घट रहा है। या आप इसे ऐसे भी कह सकते हैं कि दरअसल आप बैंकों- डाकघर को अपना पैसा रखने की फीस दे रहे हैं। अगर ताजा फैसला वापस नहीं होता, तो ऐसा होने की दर और बढ़ जाती। अगर सरकार की अघोषित नीति देखें तो इसका यह अर्थ भी है कि सरकार चाहती है कि ऐसी योजनाओं में पैसा रखने के बजाय लोग शेयर मार्केट में सीधे या मुचुअल फंड्स के जरिए निवेश करें। ये नीति मोदी सरकार की कुल पॉलिटकल इकॉनमी का अभिन्न अंग है। इसलिए ताजा फैसला वापस होने से मोदी सरकार के समर्थक तबकों का समर्थन भले और पुख्ता हो जाए, लेकिन बैंकों में उनके जमा धन से उनके भविष्य की सुरक्षा की उम्मीदें पूरी नहीं होंगी। और वे इस बात को लेकर भी निश्चिंत नहीं हो सकते कि ये फैसला आखिरी है। पांच राज्यों के चुनाव के बाद सरकार ने जो 'गलती' की थी, उसे फिर नहीं दोहरा देगी, इस बात की कोई गारंटी नहीं है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुंबई में बिजली और परिवहन विभाग के कर्मचारियों को सैलरी में मिल रहे सिक्के

40 हजार बेस्ट कर्मचारी परेशान

मुंबई। बृहन्मुंबई बिजली आपूर्ति और परिवहन (बेस्ट) के करीब 40 हजार कर्मचारियों को कुछ महीनों से उनका मासिक वेतन पांच और 10 रुपये के सिक्कों के रूप में दिया जा रहा है। इससे कर्मचारियों को असुविधा हो रही है। ऐसा बेस्ट के साथ बैंकिंग से जुड़े कुछ मुद्दों के चलते हो रहा है। बेस्ट का बैंक के साथ करार खत्म हो गया है, जिसके बाद से बेस्ट के कर्मियों को 15 हजार रुपये तक की सैलरी सिक्कों में दी जा रही है। वेतन का इतना बड़ा हिस्सा सिक्कों के रूप में मिलने से कर्मचारियों को कई दिक्कतों का सामना कर पड़ रहा है। उन्हें ईएमआई का भुगतान करने व अन्य चीजों में समस्या आ रही है। बता दें, उपक्रम चार हजार बसों के संचालन के साथ करीब 10 लाख उपभोक्ताओं के घरों में बिजली की आपूर्ति करता है। टिकट के किराये और बिजली बिल के लिए नकदी के तौर पर उपक्रम को भारी संख्या में सिक्के मिलते हैं। वहीं, बेस्ट के कुछ कर्मचारियों का कहना है कि पहले भी उन्हें सिक्कों के रूप में वेतन का कुछ हिस्सा मिलता रहा है। एक कर्मचारी ने कहा, मुझे वेतन के तौर पर 11 हजार रुपये

की नकदी और सिक्के मिले जबकि उससे एक महीने पहले सिक्कों के तौर पर 15 हजार रुपये मिले थे। आम तौर पर हमें दो रुपये, पांच रुपये के सिक्के और 10 रुपये के नोट मिलते हैं। इसके अलावा नकदी के तौर पर 50 रुपये, 100 रुपये और 500 रुपये के कुछ नोट दिए जाते हैं। बाकी रकम सीधे हमारे खाते में जमा करा दी जाती है। इधर, बेस्ट की कमेटी के वरिष्ठ सदस्य सुनील गणाचार्य ने बताया कि बेस्ट के खजाने में काफी रकम जमा है, लेकिन पिछले साल निजी क्षेत्र के एक बैंक से अनुबंध खत्म होने के बाद कोई भी बैंक इस उपक्रम के 100-150 संग्रहण केंद्रों से इसे लेने को तैयार नहीं है। उन्होंने इस मसले को राज्य का मामला बताया। उन्होंने कहा कि बेस्ट के कुछ कर्मचारी अंबरनाथ, बादलपुर, पनवेल या विरार-वसई जैसे क्षेत्रों में रहते हैं और उपनगरीय लोकल ट्रेनों से सफर करते हैं। इतनी नकदी खासकर सिक्कों के तौर पर लेकर चलने में काफी असुविधा होती है और इसमें खतरा भी रहता है। गणाचार्य ने कहा कि बेस्ट की कमेटी ने नकदी संग्रह के लिए जनवरी में एक निजी बैंक के साथ समझौता करने को मंजूरी दे दी थी, लेकिन कुछ मुद्दों के कारण नकदी ले जाने में देरी हुई। बेस्ट के कामगारों की यूनियन के नेता शशांक राय ने कहा कि वेतन के रूप में सिक्के देने की व्यवस्था अस्वीकार्य है और इससे कर्मचारियों को दिक्कतें होती हैं और इस बारे में प्रशासन को कई बार अवगत भी कराया गया। बेस्ट के कामगारों की यूनियन के नेता शशांक राय ने कहा कि वेतन के रूप में सिक्के देने की व्यवस्था अस्वीकार्य है और इससे कर्मचारियों को दिक्कतें होती है और इस बारे में प्रशासन को कई बार अवगत भी कराया गया। बहरहाल, बेस्ट के प्रवक्ता मनोज वरडे ने बताया कि एक बैंक के साथ दो या तीन दिनों में समझौता होगा जिसके बाद बैंक नकदी संग्रह का काम करेगा।

(पृष्ठ 1 का शेष)

महाराष्ट्र में वीकेंड लॉकडाउन का ऐलान

इसके अलावा कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार की रोकथाम के मद्देनजर निजी कार्यालय, थियेटर और सैलून आदि बंद रखने जैसी कड़ी पाबंदियां भी लागू रहेंगी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि सप्ताहांत में शुक्रवार रात आठ बजे से सोमवार सुबह सात बजे तक लॉकडाउन लागू रहेगा। इसके अलावा, सप्ताह के सभी दिनों में दिन के वक्त धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू की जाएगी। बयान के मुताबिक, आवश्यक सेवाओं से जुड़ी दुकानों, मेडिकल स्टोर एवं किराना दुकानों के अलावा सभी अन्य दुकानें, बाजार और शॉपिंग मॉल 30 अप्रैल तक बंद रहेंगे। ये सभी नए प्रतिबंध सोमवार रात आठ बजे से प्रभावी होंगे। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हुई मंत्रिमंडल की विशेष बैठक के दौरान इन सभी प्रतिबंधों को लागू करने का निर्णय लिया गया। बयान के मुताबिक, बैंकिंग, शेयर बाजार, बीमा, दवा, टेलीकम्युनिकेशन और मेडिक्लेम क्षेत्र को छोड़कर इन प्रतिबंधों के तहत सभी निजी कार्यालय बंद रहेंगे। निजी कार्यालयों के लिए 'घर से काम' (वर्क फ्रॉम होम) लागू करना अनिवार्य है। हालांकि, स्थानीय आपदा प्रबंधन, बिजली विभाग और जलापूर्ति से जुड़े कार्यालयों को प्रतिबंधों से छूट रहेगी। इसके मुताबिक, कोविड-19 प्रबंधन से जुड़े विभागों को छोड़कर बाकी सभी सरकारी दफ्तरों को क्षमता से 50 प्रतिशत से ही काम करने की इजाजत होगी। साथ ही आंगतुकों को सरकारी कार्यालयों में प्रवेश की इजाजत नहीं दी जाएगी। हालांकि, आवश्यक सेवाओं को रात्रिकालीन कर्फ्यू में छूट दी गई है। बयान में कहा गया कि पार्क, बीच (समुद्र तट) एवं सभी सार्वजनिक स्थल रात आठ बजे से सुबह सात बजे तक बंद रहेंगे। अगर स्थानीय प्रशासन को लगता है कि दिन के समय में इन स्थानों पर भीड़ एकत्र हो रही है तो इन्हें बंद रखा जा सकता है। इसके मुताबिक, सार्वजनिक एवं निजी परिवहन सेवाओं का संचालन जारी रहेगा। टैक्सी और आटोरिक्शा वाले अपनी क्षमता की 50 फीसदी सवारियां ही बैठा सकते हैं। बसों में सवारियों को खड़े होकर यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी और मास्क पहनना अनिवार्य होगा। साथ ही बस चालक, कंडक्टर और अन्य कर्मचारियों के पास कोविड-19 की नेगेटिव जांच रिपोर्ट होनी चाहिए। बयान के मुताबिक, थियेटर, सिनेमाघर, वीडियो पार्लर, मल्टीप्लेक्स, क्लब, स्वीमिंग पूल, खेल परिसर आदि मनोरंजन स्थल बंद रहेंगे। वहीं, धार्मिक स्थल श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेंगे। हालांकि, वहां धार्मिक अनुष्ठान जारी रहेंगे। इसी तरह, बार, रेस्तरां, छोटी दुकानें केवल सामान पैक करा कर ले जाने के लिए और पार्सल के लिए खुली रहेंगी।

हमारा विरोध हमारी पार्टी से नहीं....

हमने जो मेहनत की है २०१७ के बाद पार्टी को फिर से खड़ा करने की उस मेहनत पर पानी फेरने का काम किया जा रहा है। यह वही अंकुश मालुसरे है जिसने 2017 मैं राष्ट्रवादी काग्रेस पार्टी के उम्मीदवार की लिस्ट और कई हमारे उम्मीदवारों को काग्रेस में लेकर गए थे। 2017 के बाद राष्ट्रवादी काग्रेस पार्टी मीरा भायंदर के पास कोई बड़ा चेहरा या कोई बड़ा नेतृत्व नहीं था सब ने मौका देख कर पार्टी से अपना दर किनारा कर लिया उसके बाद भी 1 साल तक जिलाध्यक्ष पद खाली था उस समय भी किसी ने आगे आकर जवाबदारी लेने की हिम्मत नहीं की उसके बाद जिला अध्यक्ष का पद संतोष तेंडुलकर को दिया गया और धीरे ही धीरे पार्टी ने 25 की संख्या से 2500 कार्यकर्ता पिछले डेढ़ साल में तैयार किए। संतोष पेंदुलकर के नेतृत्व में राष्ट्रवादी काग्रेस पार्टी ने 22 फ्रंटल सेल के अध्यक्ष तैयार किए महिला और विद्यार्थी भी इतनी बड़ी संगठन तैयार करने के बावजूद भी हमें और हमारे निष्ठावन कार्यकर्ताओं को विश्वास में ना लेते हुए स्थानिक नेतृत्व और मीरा भायंदर के समन्वयक श्री आनंद परांजपे ने एक बड़ा फेरबदल कर दिया उससे सभी पुराने कार्यकर्ता नाराज हैं कार्यकर्ताओं में आक्रोश है की पार्टी के बुरे समय में जो लोग पार्टी पर हंस रहे थे आज वही लोग के हाथ में हमारा नेतृत्व दिया जा रहा है मीरा भायंदर समन्वयक होने के नाते आनंद परांजपे जी का फर्ज बनता था की वह पुराने कार्यकर्ता जो संगठन के बुरे वक्त में भी संगठन के साथ थे उन सब से सलाह मशवरा करके ही कुछ निर्णय लेना चाहिए था जब मीरा भायंदर में पार्टी का बुरा वक्त चल रहा था तब हम पार्टी का झंडा थामे अकेले लड़ रहे थे कोई नेता हमारे पीछे नहीं खड़ा था। आज महाराष्ट्र में फिर से सत्ता आने के बाद तमाम आया राम गया राम फिर से संगठन से जुड़ रहे हैं संगठन से जुड़ना अच्छी बात है सुबह का भूला अगर शाम को घर लौट आए तो उसे भूला नहीं कहते ठीक उसी तरह जिसने एक बार धोखा दिया उस पर फिर से इतना जल्दी विश्वास कर लेना यह कहां तक ठीक है आज जो अच्छा वक्त देखकर आए हैं वह कल बुरे वक्त में फिर से पार्टी को अलविदा करके जा सकते हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता और हमारे प्रांत अध्यक्ष श्री जयंत दादा पाटील जी से भी निवेदन है कि इस विषय को गंभीरता से लें और राष्ट्रवादी काग्रेस पार्टी को मीरा भायंदर में खत्म होने से बचा ले। संगठन जब तक संतोष पेंदुलकर या उन्हीं की तरह कोई अच्छा नेतृत्व मीरा भायंदर को नहीं देती तब तक हमारा विरोध जारी रहेगा हम सब पवार साहब की विचारधारा को मानने वाले लोग हैं हमारा विरोध पार्टी या उनकी विचारधारा से नहीं हमारा विरोध एक व्यक्ति विशेष से है जो इस पद के लायक नहीं था।

कानूनी सलाह

दै. मुंबई हलचल के सभी पाठकों और शुभचिंतकों का बहुत-बहुत अभिनंदन। दै. मुंबई हलचल अपने पाठकों के लिए लेकर आया है- कानूनी सलाह। जी हाँ, आप इस फोरम पर अपनी कानूनी समस्या पर सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

आज का विषय

आपने मौलिक अधिकार (Fundamental Rights) के बारे में सुना है, पता है.....लेकिन आपकी मौलिक कर्त्तव्य यानि (fundamental duties) क्या है?

उत्तर: अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहेलु है। जब संविधान बनाया जा रहा था तब हमारे मौलिक अधिकारों को उसमे जगह दी गई पर मौलिक कर्तव्यों का उल्लेख नहीं किया गया। यह मान लिया गया था की मौलिक कर्तव्यों का पालन नागरिक खुद ही कर लेगा। पर, लोगों ने अपने अधिकारों को पाने में इतने लीन हो गए की कर्तव्यों को भूल ही गए। यही कारण वर्ष सरकार ने लोगों को मौलिक कर्तव्य समझाने हेतु संविधान में ४२वां संशोधन १९७६ में अनुछेद ५१ (अ) में मौलिक कर्तव्यों को दाखिल किया गया।

आईये जानते है की हमारे मौलिक कर्तव्य कौन- कौन से है :

मौलिक कर्तव्यों का संविधान में समावेश करने के लिए सरदार स्वर्ण सिंह की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया। ये मूल कर्तव्य मुख्यतः पूर्व सोवियत संघ के संविधान से प्रेरित थे। वर्ष 2002 में 86वें संविधान संशोधन के बाद मूल कर्तव्यों की संख्या 11 हो गयी है।

अनुछेद ५१ (अ) मौलिक अधिकार:

१.. संविधान का पालन करें और उसके आदर्शों, संस्था, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे।
२. स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे।
३. भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे।
४. देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे।
५. भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं।
६. हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करे।
७. प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अन्तर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे।
८. वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे।
९. सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे।
१०. व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत्प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले।
११. जो माता-पिता या संरक्षक हों वह, 6 से 14 वर्ष के बीच की आयु के, यथास्थिति, अपने बच्चे अथवा प्रतिपाल्य को शिक्षा प्राप्त करने के अवसर प्रदान करेगा।

ऊपर दिए गए सारे कर्तव्यों का मकसद सिर्फ देश के खिलाफ हो रही गतिविदियों को रोकना और अपने देश को आदर्श और संपन्न बनाना है। याद रखें अधिकारों के साथ आता है कर्तव्य, इसीलिए जितना हम अपने अधिकारों को पानेके लिए लड़ते है उतने ही सिद्दत से हमे अपने कर्तव्यों का निर्वाह भी करना चाहिए।

आपकी अगर कोई कानूनी समस्या है तो हमें लिखें, हम आपका मार्गदर्शन करेंगे।

Dr. S.P. Ashok
B.Tech, LL.M., DTL, PGD (ADR)
Ph.D. (Law)

अब महाराष्ट्र में बिन परीक्षा पास होंगे पहली से आठवीं तक के छात्र

मुंबई। महाराष्ट्र में पहली से आठवीं तक के छात्रों के लिए राज्य सरकार ने अहम फैसला लिया है। अब इन छात्रों को बिना परीक्षा दिए ही पास कर दिया जाएगा। कोरोना महामारी के बढ़ते खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने यह फैसला लिया है। महाराष्ट्र की स्कूली शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने इस फैसले का ऐलान किया है। आपको बता दें की पहली से लेकर आठवीं कक्षा के छात्रों के साल भर की पढ़ाई का मूल्यांकन कर छात्रों के नतीजे घोषित किए जाते हैं। इस बार कोरोना महामारी के चलते पिछले एक साल से छात्रों की ऑनलाइन पढ़ाई ही चल रही है। ऐसे में इन छात्रों के फिजिकल मूल्यांकन कर पाना मुश्किल है। लिहाजा छात्रों को अगली कक्षा में प्रमोट करने का फैसला किया गया है।

कोविड नियमों का उल्लंघन करने पर यात्रियो से हवाईअड्डे पर वसूला जा रहा 1000 रुपये का जुर्माना

मुंबई। मुंबई हवाईअड्डे ने कोविड-19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने वाले यात्रियों पर एक अप्रैल से तुरंत जुर्माना लगाना शुरू कर दिया है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने महाराष्ट्र और कुछ अन्य राज्यों में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर इस बारे में चेतावनी जारी की थी। डीजीसीए ने अपनी नियमित जांच में पाया था कि कुछ हवाईअड्डों पर यात्रियों द्वारा अनिवार्य कोविड-19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया जा रहा है। डीजीसीए ने हवाईअड्डों को इस बारे में कड़ी कार्रवाई करने की सलाह दी थी। नियामक ने कहा था कि हवाईअड्डा परिसर में कोविड-19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने वाले यात्रियों पर जुर्माना लगाया जाना चाहिए। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा (सीएसएमआईए) ने बयान में कहा कि डीजीसीए के निर्देशानुसार एक अप्रैल से कोविड-19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने वाले यात्रियों पर 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया जा रहा है। बयान में कहा गया है कि यदि कोई यात्री कोविड सुरक्षा नियमों

मसलन मुंह और नाक को ढंकने वाला मास्क नहीं पहनता है और सामाजिक दूरी दिशानिर्देशों का अनुपालन नहीं करता है, तो उसपर 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाता है। पिछले साल मई में घरेलू उड़ानें शुरू करने की अपनी मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत सीएसएमआईए ने हवाईअड्डे पर सुरक्षा व्यवहार के बारे में दिशानिर्देशों को लागू किया है। इसके अलावा हवाईअड्डे की पीए प्रणाली के जरिये भी नियमित घोषणा की जाती है। साथ ही मार्शल भी यात्रियों को सुरक्षा को लेकर सावधानी बरतने को प्रोत्साहित करते हैं।

आहार असोसिएशन व बुंट्स संघ मुंबई द्वारा रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

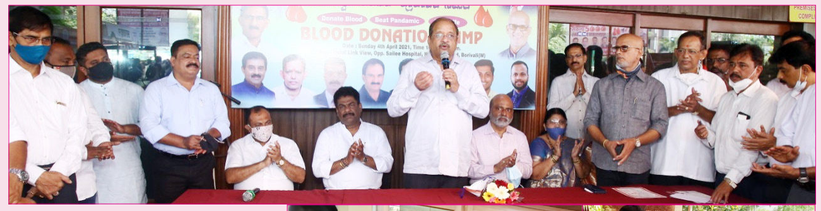

मुंबई। आहार असोसिएशन व बुंट्स संघ मुंबई द्वारा बोरीवली पश्चिम में लिंक विव्ह फाइन डाइन, लिंक रोड में रक्तदान शिविर का आयोजन रविवार 4 अप्रैल 2021 को किया गया, कार्यक्रम का उद्घाटन सांसद गोपाल शेट्टी ने किय। इस शिविर का आयोजन येरमल हरीश शेट्टी व चंद्रास शेट्टी के मार्गदर्शन मे संस्था के कार्यकर्ताओं ने किया। दोनो असोसिएशन के मेंबर व कार्यकर्ताओ ने मिलकर तकरीबन १३० बोतल रक्त दान किया। इस आयोजन मे बोरीवली विधान सभा के विधायक सुनील राणे का भी सहयोग रहा। येरमल हरीश शेट्टी ने बताया कि मुंबई शहर मे होटल असोसिएशन का बुरा हाल है। कोरोना काल की वजह से जहाँ एक तरह रात्रि कर्फ्यू चल रहा है वही मुंबई मे होटल वालो की हालत खस्ता हो रही है। इस आयोजन के पीछे हमारा मुख्य उद्देश्य है कि कोरोना जैसी महामारी मे रक्त की भारी मात्रा मे कमी को पूरा करने के लिए हम छोटी सी कोशिश कर रहे है। संसद गोपाल शेट्टी के मार्गदर्शन मे आज हमने इसी तरह का चार जगहों पर आयोजन किया जिसमे तकरीबन ३५० बोतल रक्त जमा कर पाये आने वाले दिनों मे हम इस तरह का आयोजन निरंतर जारी रखेंगे। हमारा संकल्प है कि हम होटल वाले मिल कर तकरीबन ५००० बोतल रक्त कोरोना काल मे दे पाये। आहार असोसिएशन व बुंट्स संघ मुंबई के सभी पदाधिकारियों का मैं हरीश शेट्टी धन्यवाद देता हूँ।

पीएम बोले- 5 फोल्ड स्ट्रैटेजी से संक्रमण रोक सकते हैं

महाराष्ट्र, पंजाब और छत्तीसगढ़ में केंद्रीय टीमें भेजी जाएंगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कोरोना संक्रमण और वैक्सीनेशन पर हाई-लेवल मीटिंग की। यह मीटिंग ऐसे वक्त में बुलाई गई है, जब देश में बीते दिन 93 हजार से ज्यादा नए मरीज मिले हैं। पीएम ने कहा कि कोरोना पर काबू पाने के लिए लोगों में जागरूकता और उनकी भागीदारी सबसे जरूरी है। अगर 5 फोल्ड स्ट्रैटेजी (टेस्टिंग, ट्रेसिंग, ट्रीटमेंट, गाइडलाइंस के मुताबिक व्यवहार और वैक्सीनेशन) को गंभीरता से अपनाया जाता है तो यह महामारी को रोकने में प्रभावी होगी। पीएमओ

के मुताबिक, बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने संक्रमण की रोकथाम के उपायों को बेहतर तरीके से लागू करने की खास तौर से जरूरत बताई। इसमें एक्टिव केस की तलाश और कंटेनमेंट जोन के मैनेजमेंट में कम्यूनिटी वॉलेंटियर्स की भागीदारी भी शामिल है। प्रधानमंत्री ने ज्यादा केस वाले राज्यों और जिलों को मिशन मोड में काम जारी रखने के लिए कहा। पीएम ने निर्देश दिया है कि संक्रमण के नए मामलों में तेज बढ़ोतरी और मौतों के मद्देनजर महाराष्ट्र, पंजाब और छत्तीसगढ़ में केंद्र से टीमें भेजी जाएं।

इलेक्ट्रिक बसें बढ़ाएगी एसटी, स्मार्ट कार्ड का होगा विस्तार

संवाददाता

मुंबई। राज्य परिवहन निगम (स्टेट ट्रांसपोर्ट) लगातार घाटे में होने के बावजूद अपने बेड़े में जल्द 100 इलेक्ट्रिक बसें शामिल करने जा रही है। इसके लिए जल्द ही प्री-बीडिंग बैठक होने वाली है। इसके अलावा एसटी की स्मार्ट कार्ड योजना को अब 30 सितंबर तक बढ़ा दिया गया है। कोरोना के इस माहौल में एसटी प्रशासन द्वारा लिए गए इस निर्णय से वरिष्ठ नागरिकों सहित अन्य लाभार्थियों को सफर करने में काफी सहूलियत होगी। मुंबई सहित राज्य में कोरोना मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। वर्तमान कोरोना स्थिति को देखते हुए, एसटी

महामंडल ने घोषणा है कि स्मार्ट कार्ड योजना का विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। इससे पहले, योजना में कार्ड के पंजीकरण और वितरण की समय सीमा 31 मार्च थी। प्रत्येक एसटी डिपो में वरिष्ठ नागरिकों और अन्य रियायतों के लिए स्मार्ट कार्ड जारी करने की प्रक्रिया चल रही है। जिन क्षेत्रों में एसटी बसें चल रही हैं, यात्रियों को रियायतें पहले की तरह लागू होंगी, इसकी जानकारी एसटी निगम द्वारा दी गई है। महाराष्ट्र सरकार, एसटी निगम के माध्यम से, लगभग 29 विभिन्न सामाजिक समूहों को 33 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक रियायत देती है।

ऑटो से प्रचार कर राहुल ने केंद्र को घेरा

तिरुवनंतपुरम। छह अप्रैल यानी मंगलवार को होने वाले केरल विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार रविवार शाम थम गया। अंतिम दिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने निमोम क्षेत्र में दो स्थानों पर ऑटो रिक्शा की सवारी की। इसके जरिए उन्होंने केंद्र की भाजपा-राजग सरकार को ईंधन की बढ़ती कीमतों पर घेरा। इससे पहले यूडीएफ की बैठक में उन्होंने कहा कि उनके गठबंधन की सरकार बनने पर 'न्यूनतम आय योजना' (न्याय) के तहत केरल के हर गरीब व्यक्ति को निश्चित रूप से हर महीने छह हजार रुपये मिलेंगे। निमोम में राहुल गांधी ने रविवार शाम चुनावी बैठक को संबोधित किया। वह यहां ऑटोरिक्शे में बैठ कर पहुंचे, जिससे हर कोई हैरत में पड़ गया। निमोम से सांसद के मुरलीधरन कांग्रेस नीत यूडीएफ के उम्मीदवार हैं। इस सीट पर एलडीएफ,यूडीएफ और भाजपा के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। गांधी ने निमोम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वह यहां ऑटो रिक्शे में आए हैं और वाहन चालक ने कहा कि वह अपनी आजीविका नहीं चला पा रहा है क्योंकि उसकी सारी कमाई ईंधन खरीदने में चली जा रही है।

क्या पीएम मोदी भगवान या 'महामानव' हैं जो नतीजों की भविष्यवाणी कर रहे?

हुगली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। टीएमसी प्रमुख ने पीएम मोदी द्वारा चुनाव में जीत के दावों पर हैरानी जताई। इसके साथ ही सवाल किया, क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'भगवान या महामानव' हैं जो विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का दावा कर रहे हैं, जबकि अभी बंगाल में छह चरण के चुनाव होने बाकी हैं। हुगली जिले के खानाकुल में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए टीएमसी अध्यक्ष ने इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) और इसके संस्थापक अब्बास सिद्दीकी का नाम लिए बिना कहा कि भाजपा ऐसे 'व्यक्ति' को अल्पसंख्यक मतों में सेंध लगाने के लिए रुपये दे रही है।

यह कहा था पीएम मोदी ने

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को एक चुनावी सभा में कहा था कि वह पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे और उससे यथाशीघ्र प्रधानमंत्री किसान निधि योजना लागू करने के लिए कहेंगे। इस बयान का संदर्भ देते हुए बनर्जी ने कहा, 'आप (मोदी) अपने आप को क्या समझते हैं, क्या आप भगवान या महामानव हैं?' ममता बनर्जी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने राज्य के अधिकारियों से राज्य सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए तैयार रहने को कहकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है।

'हम आपको शपथ में नहीं बुलाएंगे'

हुगली, हावड़ा और दक्षिण 24 परगना जिलों में एक के बाद एक रैलियों को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने, 'हम आपको (मोदी) शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित नहीं करेंगे।' बता दें कि इन जिलों की सीटों पर छह अप्रैल को मतदान होगा। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि मोदी की बांग्लादेश के पहले प्रधानमंत्री शेख मुजीबुर रहमान की शताब्दी के मौके पर की गई पड़ोसी देश की यात्रा से वहां दंगे भड़के।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलडाणा हलचल

बुलडाणा एलसीबी की कार्रवाई, शहर के दो स्थानों पर ऑनलाइन लॉटरी सेंटर में छापा मारा

1 लाख 50 हजार का सामान जब्त, 6 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। शहर में बड़ी संख्या में अवैध कारोबार चल रहे हैं और 3 अप्रैल, 2021 की शाम को एलसीबी ने बुलदाना शहर में दो अवैध ऑनलाइन लॉटरी केंद्रों पर छापा मारा और छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। बुलडणा पुलिस अधीक्षक अरविंद चावरिया के मार्गदर्शन में एलसीबी के पुलिस अधीक्षक बजरंग बंसोड, एलसीबी पुलिस निरीक्षक बलिराम गीते ईन के पर आदेश 3 अप्रैल, 2021 को बुलडाणा शहर की सीमा में अठवाडी बाजार परिसर में

संचालित दो अवैध ऑनलाइन लॉटरी केंद्रों पर कार्रवाई करने के लिए जारी किया गया था। इन में आरोपी शिवलाल बोंद्रे वय 31 वर्ष रा. गजानन नगर बुलडाणा, जबिर शेख शब्बीर शेख 36 वर्ष रा. जोहर नगर बुलडाणा, प्रदीप भीमराव गवई वय 30 वर्ष रा. मिलिंद नगर, बुलडाणा, अजय बबन जाधव वय 24 वर्ष रा. क्रांती नगर बुलडाणा, आकाश सुरेश खेडकर वय 30 वर्ष रा. शिवाजीनगर बुलडाणा व देवधन पंढरीनाथ गवळी वय 38 वर्ष रा शांतिनिकेतन नगर, बुलडाणा ईन्हे गिरफ्तार किया गया। इन के कब्ज से दो अवैध ऑनलाइन लॉटरी मशीन और 1 लाख 50 हजार 930 रुपये की सामग्री जब्त की गई है।

स्वर्ण पदक विजेता मोहिनी अंभोरे का राजर्षी शाहू परिवार कि ओर से शानदार सत्कार

बुलडाणा। मोहिनी अंभोरे, जिन्होंने राष्ट्रीय जूनियर धनुर्विद्या स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया,इस खिलाड़ी का राजर्षि शाहू परिवार के अध्यक्ष संदीपदादा शेळके ईन के हाथों सत्कार किया गया।ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ी अब किसी भी खेल में पीछे नहीं हैं। ये खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का पूरा उपयोग कर रहे हैं।राष्ट्रीय जूनियर धनुर्विद्या प्रतियोगिता हाल ही में देहरादून में आयोजित की गई थी। जिले के ब्रम्हपुरी से मोहिनी अरविंद अंभोरे ने इस प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीत कर ज़िले का नाम रौशन किया है।

मोहिनी बुलंदाना में द्रोणाचार्य अकादमी में कोच चंद्रकांत इलग के मार्गदर्शन में अभ्यास करती हैं। उन्हें पिछले साल भुवनेश्वर में आयोजित 'खेलो इंडिया' प्रतियोगिता के लिए चुना गया था। अब तक वह विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर कई पुरस्कार जीत चुकी हैं। उसके पिता एक किसान हैं और माँ एक गृहिणी हैं। उनके पिता एक किसान हैं और माँ एक गृहिणी हैं और उन्हें लगातार खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित करती हैं, उनका लक्ष्य भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को खेलना है। लक्ष्य तक पहुंचने के लिए पूरी तरह से अभ्यास चल रहा है। मोहिनी सुबह और शाम दो सत्रों में कोच के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रही है। उनकी सफलता के लिए उन्हें राजर्षि शाहू पंतस्थान के मुख्यालय में सम्मानित किया गया। इस समय उसके माता-पिता के साथ सपकाळ, निखिल शिंबरे उपस्थित थे।

रामपुर हलचल

दुकानदारों द्वारा मास्क न लगाये जाने को लेकर गंभीरता के साथ चलाया गया अभियान

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। सरकार के दिशा निर्देशों का पालन कराते हुए पुलिस विभाग एवं राजस्व विभाग नगर पालिका परिषद के सहयोग के चलते नगर के मुख्य बाजार व नगर पालिका शाही मस्जिद रोड पर दुकानदारों द्वारा मास्क न लगाये जाने को लेकर गम्भीरता के साथ अभियान चलाया गया जिसमें काफी ऐसे दुकानदार जो सरकार के दिशा निर्देशों का पालन नहीं कर पा रहे थे अधिकांश उन्हीं दुकानदारों के साथ गम्भीरता दिखाते हुए जुर्माना दण्ड वसूला गया मास्क अभियान से नगर के अन्दर हड़कम्प मचा रहा कुछ दुकानदार अपनी अपनी दुकानें छोड़कर भागने में सफल रहे कोरोना वायरस गम्भीर एवं घाटक बीमारी है इससे बचने के लिए गाइडलाइन का पालन किया जाना आवश्यक हैं। अभियान के दौरान दुकानों के सामने कतार बद्ध तरीके से बाइकों का खड़ा रहना दिखाई दिया नगर पालिका अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा ने अपनी जिम्मे दारी को निभाते हुए दुकानों के सामने खड़ी बाइकों पर अपनी नाराजगी दिखाई कहा कि इससे अतिक्रमण को बढ़ावा मिल रहा है शीघ्र कार्यवाही की जायेगी जिससे यातायात बाधित होकर अवरूद्ध होकर रह जाता है उससे अनेकों प्रकार की कठिनाइयों से जूझना भी पड़ता है। अभियान के दौरान नायब तहसीलदार अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा शुभम अमीन ताहिर अली टांडा लेखपाल एस आई रामवीर सिंह एस आई सुरेश चन्द्र एस आई मनोज कुमार कांस्टेबिल राहुल कुमार आदि उपस्थित रहे।

प्रधान पद प्रत्याशी फरजाना पुत्र सुभान अली ने किया नामांकन

टाण्डा/रामपुर। क्षेत्रीय ग्राम पंचायत चुनावो को लेकर प्रधान पद के उम्मीदवारो का नामांकन शुरू हो गया है जिसमें क्षेत्रीय ग्राम पंचायत अल्लापुर से प्रधान पद प्रत्याशी फरजाना पुत्र सुभान अली जिला महामंत्री ने अपना नामांकन किया उनके साथ सुभान अली जिला महामंत्री अल्पसंख्यक मोर्चा रामपुर, दिलावर, मोहम्मद रजा, फारूक, इमरान, मो०उमर, मुस्तफा, इरफान, अकरम, अफसर अली, साजिद अली, सहित क्षेत्रीय ग्राम वासियो ने भाग लिया।

समस्तीपुर हलचल

सुपुर्दे खाक हुए मौलाना वली रहमानी, लाखों की तादाद में लोग हुए शामिल

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। ईमारत ए शरिया बिहार, झारखंड व उड़ीसा के अमीर ए शरीयत हजरत मौलाना वली रहमानी के आकस्मिक निधन से पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई। आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव रहे मौलाना वली रहमानी के निधन पर समस्तीपुर जिला के कांग्रेस कमिटी के जिला अध्यक्ष मो अबू तमीम ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मौलाना रहमानी का नाम बिहार एवं देश के मशहूर आलिम ए दीन में शुमार होता था। अल्लाह पाक से दुआ है कि उन्हें जन्नतुल फि रदौस में आला से आला मुकाम अता करें। जिला अध्यक्ष ने बताया कि मौलाना वली रहमानी खानकाहे रहमानिया मेंगर के सज्जादा नशी थे। आज मुंगेर के खानकाह रहमानी में जनाजे की नमाज अदा की गई। उनके जनाजे की नमाज में लाखो की तायदाद में लोगों ने हिस्सा लिया और दुआएं की। जनाजे के नमाज के बाद मुंगेर में ही उन्हें सुपुर्दे खाक कर दिया गया। मौलाना वली रहमानी के निधन पर जिला कांग्रेस कमिटी के जिला अध्यक्ष मो0 अबू तमीम के अलावा जद यू के सीनियर लीडर प्रोफेसर शाहिद अहमद, नजमुल इस्लाम, पत्रकार अफरोज आलम, पत्रकार कैसर खान, पत्रकार जमशेद आलम, पत्रकार जहांगीर आलम, पत्रकार साकिब रहमान, सोमाल खान,वसीम राजा, मोईन अहमद खां, अंजारूल हक सहारा, शारीक रहमान लवली, अनस रिजवान, अफजाल अहमद उर्फ उजाले, फैजुर रहमान फैज, प्रो0 इमाम रिजवी, मो0 नसीम अब्दुल्लाह, मोहम्मद फैयाज आलम, आदिल खां वगैरह ने बेहद गम का ईजहार किया है।

समस्तीपुर में एक बार फिर अपराधियों ने लूट की घटना को अंजाम दे दिया, आभूषण दुकान में 90 हजार की हुई लूट

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर इस वक्त एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां तीन की संख्या में ग्राहक बनकर आए अपराधियों ने अर्चना ज्वैलर्स दुकान से 90 हजार की आभूषण लूटने की घटना को अंजाम दिया है। दिनदहाड़े इस घटना से लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। अपराधियों में पुलिस का खोफ कहीं से भी देखने को नहीं मिल रहा है।एक के बाद एक अपराधी घटनाओं को अंजाम देने में मशगूल है अपराधी। ताजा मामला समस्तीपुर जिले के मुसरीघरारी थाना क्षेत्र हरपुर ऐलॉथ रुदौली चौक की घटना है।जहां हथियारबंद तीन अपराधियों ने ग्राहक बनकर पहुंचे खरीदारी करने। इसी दौरान दुकानदार को कनपटी पर पिस्टल सटाकर 90 हजार का तीन गहने लूट लिया। दुकानदार ने विरोध किया और पिस्टल पकड़ने के कारण गोलियां पिस्टल से गिर गई। गोली गिरता देख अपराधी वहां से भाग निकले। मौके पर एक जिंदा कारतूस वह अपराधियों के चप्पल पुलिस ने जप्त किया है।और सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है अपराधियों की पहचान के लिए और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सीओपीडी समय रहते हो जाएं सावधान

सर्दियों के मौसम में सी.ओ.पी. डी. के मामले काफी बढ़ जाते हैं और जो लोग पहले से ही इस मर्ज से ग्रस्त हैं, उनकी समस्याएं और भी बढ़ जाती हैं। क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सी.ओ.पी.डी.) फेफड़े की एक गंभीर बीमारी है, जिसे आम भाषा में क्रॉनिक ब्रॉन्काइटिस भी कहते हैं। सर्दियों के मौसम में सी.ओ.पी. डी. के मामले काफी बढ़ जाते हैं और जो लोग पहले से ही इस मर्ज से ग्रस्त हैं, उनकी समस्याएं और भी बढ़ जाती हैं। ओपीडी प्रमुख रूप से धूम्रपान बीड़ी, सिगरेट, हुक्का और चिलम पीने वालों को होता है। इसके अतिरिक्त ऐसे लोग जो धूल, धुआं और प्रदूषित वातावरण के प्रभाव में रहते हैं, उन्हें भी इस बीमारी के होने का खतरा होता है। प्रायः यह बीमारी 30 से 40 वर्ष की आयु के बाद शुरू होती है। इस बीमारी का प्रकोप सर्दी के मौसम में बढ़ जाता है।

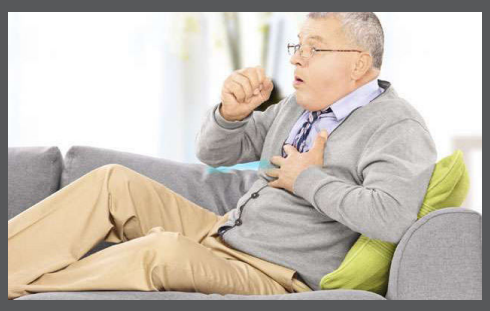

मर्ज का दूसरा प्रकार: सी.ओ.पी.डी. को अक्सर धूम्रपान करने वालों से संबंधित रोग माना जाता है। यह बात अपनी जगह सत्य भी है, लेकिन अब नॉन स्मोकिंग सी.ओ.पी.डी. (धूम्रपान के अलावा अन्य कारणों से होने वाला यह मर्ज) विकासशील देशों में एक बड़ा स्वास्थ्य संबंधी मुद्दा बन चुका है। हाल के अध्ययनों मे पता चला है कि ऐसे अनेक जोखिम भरे कारक हैं, जो धूम्रपान नहीं करने वाले लोगों में भी इस रोग के होने का जोखिम बढ़ाते हैं। दुनिया भर की तकरीबन आधी जनसंख्या जैव ईंधन (बॉयोमास फ्यूल) के धुएं के संपर्क में रहती है, जिसका उपयोग खाना बनाने के लिए किया जाता है।

इसलिए, ग्रामीण इलाकों में जैव ईंधन से उत्पन्न धुएं और प्रदूषण के संपर्क में आना भी सी.ओ.पी.डी. का मुख्य कारण है।

जैव ईंधन का दुष्प्रभाव: देश के शहरी भागों के 32 प्रतिशत घरों में अब भी जैव इंधन से चलने वाले चूल्हे का उपयोग होता है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या खाना बनाने के लिए जैव ईंधन जैसे लकड़ी, कंडे या उपले, अंगीठी और केरोसीन ऑयल का प्रयोग करती है।

विकासशील देशों में सी.ओ.पी.डी. से होने वाली करीब 50 प्रतिशत मौतें जैव ईंधन के धुएं के कारण होती है। इस पचास प्रतिशत मौतों में भी 75 प्रतिशत मौतें महिलाओं की होती हैं। जैव या बायोमास ईंधन-जैसे लकड़ी ,पशुओं का गोबर, फसल के अवशेष आदि सी. ओ.पी.डी. की समस्या उत्पन्न कर सकते हैं। ग्रामीण इलाकों में महिलाएं और लड़कियां रसोईघर में अधिक समय बिताती हैं।

वायु प्रदूषण और बीमारी: वायु प्रदूषण की मौजूदा स्थिति ने भी शहरी इलाकों में सी.ओ.पी.डी. के खतरे को बढ़ा दिया है। वायु प्रदूषण की दृष्टि से दुनिया के सबसे अधिक प्रदूषित 20 शहरों में से 10 भारत में हैं।

उपचार

सी.ओ.पी.डी. के उपचार में इन्हेलर चिकित्सा सर्वश्रेष्ठ है, जिसे डॉक्टर की सलाह के अनुसार नियमानुसार लिया जाना चाहिए। सर्दियों में दिक्कत बढ़ जाती है। इसलिए डॉक्टर की सलाह से दवा की डोज में परिवर्तन किया जा सकता है। खांसी और अन्य लक्षणों के होने पर डॉक्टर की सलाह के अनुसार संबंधित दवाएं ली जा सकती हैं। खांसी के साथ गाढ़ा या पीला बलगम आने पर डॉक्टर की सलाह से एंटीबॉयोटिक्स ली जा सकती हैं।

क्या करें

- *सर्दी से बचकर रहें। पूरा शरीर ढकने वाले कपड़े पहनें। सिर, गले और कानों को खासतौर पर ढकें।*
- *सर्दी के कारण साबुन पानी से हाथ धोने की अच्छी आदत न छोड़ें। यह आदत आपको जुकाम और फ्लू की बीमारी से बचाकर रखती है।*
- *गुनगुने पानी से नहाएं।*
- *नियमित रूप से डॉक्टर के संपर्क में रहें और उनकी सलाह से अपने इन्हेलर की डोज भी सुनिश्चित करा लें।*
- *कई बार इन्हेलर की मात्रा बढ़ानी होती है और आमतौर पर ली जाने वाली नियमित खुराक से ज्यादा मात्रा में खुराक लेनी पड़ती है।*
- *धूप निकलने पर धूप अवश्य लें। शरीर की मालिश करने पर रक्त संचार ठीक होता है।*
- *सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू व सांस के रोगियों को सुबह-शाम भाप (स्टीम) लेना चाहिए। यह गले व सांस की नलियों (ब्रॉन्काई) के लिए फायदेमंद है।*
- *डॉक्टर की सलाह से वैक्सीन का प्रयोग जाड़े केमौसम में सक्रिय हानिकारक जीवाणुओं से सुरक्षा प्रदान करता है।*
- *हाथ मिलाने से बचें। नमस्ते करना ज्यादा स्वास्थ्यकर अभिवादन है। इससे आप फ्लू समेत स्पर्श से होने वाले कई संक्रमणों से बच सकते हैं।*

प्रेग्नेंसी से बचने के लिए इन खतरनाक चीजों का इस्तेमाल करती थीं महिलाएं

बर्थ-कंट्रोल के लिए आजकल की महिलाएं दवाइयों का सहारा लेती हैं। लेकिन क्या कभी सोचा है कि पुराने जमाने में बच्चे की चाहत नहीं रखने वाली महिलाएं क्या उपाय करती थीं। जी हां आज हम आपको इसके बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में जानकर यकीनन आपके होश उड़ जाएंगे। आइए जानते हैं पुराने जमाने में महिलाएं बर्थ-कंट्रोल के लिए कैसे- कैसे

पैंतरों का इस्तेमाल करती थीं। इस कड़ी में सबसे पहले स्थान पर है मगरमच्छ का मल। 1850 बीसी के मिस्र के कई दस्तावेज बताते हैं महिला योनि में शुक्राणुओं का प्रवेश रोकने के लिए योनि को मगरमच्छ के मल, हनी और सोडियम बाइकारबोनेट के कड़े घोल को भर दिया जाता था। मान्यता था कि इसमें शुक्राणुओं को के अंदर जाने और उसे बढ़ने से रोकने की ताकत है। मध्यकाल में कुछ ऐसी मान्यता थी कि अगर महिला की जांघों पर वीजल नाम के जानवर का अंडाशय और एक हड्डी बांध दी जाए तो महिला गर्भवती नहीं होगी। गर्भधारण रोकने के लिए सबसे खतरनाक उपायों में शामिल है लेड और मरकरी से बना घोल जिसे महिलाओं को पिलाया जाता था। इस घोल को चीन में इस्तेमाल किया गया।

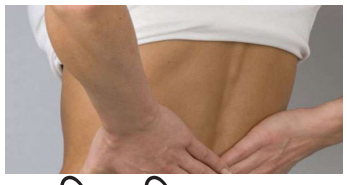

सियाटिका का सटीक इलाज

डिस्ट्रैक्शन लैमिनोप्लास्टी नामक सर्जिकल तकनीक के प्रचलन में आने से अब सियाटिका से पीड़ित लोगों का इलाज अतीत की तुलना में कहीं ज्यादा बेहतर हो चुका है...

इस सर्जिकल तकनीक में रीढ़ की हड्डी के ऊपर 2 से 3 सेमी.का चीरा लगाकर विशेष उपकरणों द्वारा कोई हड्डी काटे बगैर नस पर दबाव पूरी तरह से हटा देते हैं। नस खुलने के बाद समस्या पूरी तरह से ठीक हो जाती है। इस तकनीक से नस की सूजन, तनाव और दबाव पूरी तरह से ठीक हो जाता है और मरीज को पूर्ण रूप से आराम मिल जाता है। सर्जरी पूरी तरह सुरक्षित और सफल है। दो दिन में मरीज घर चला जाता है। मरीज को रक्त नहीं चढ़ाना पड़ता है। मरीज को तुरंत आराम मिल जाता है और हफ्ते भर में वह काम पर भी लौट सकता है।

एडल्ट फिल्में देखने की आदत से हैं परेशान तो करें ये उपाय

कुछ लोगों को बुरी चीजो की आदत होती है। यह जरूरी नहीं कि बुरी चीजों की लत कोई नशा करना या जुआ खेलना ही हो। हम जिस बुरी लत की बात कर रहे हैं वो है एडल्ट फिल्में ज्यादा देखना। इस बात को जानकर आपको हैरानी होगी की इस बुरी आदत का असर शादीशुदी जिंदगी पर भी पड़ सकता है। अगर आप इस बुरी लत से परेशान है और इससे छुटकारा पाना चाहते हैं तो कुछ असरदार उपाय अपनाकर इस लत से छुटकारा पा सकते हैं।

1. खुद को करें पक्का

आपको इस लत को छोड़ने के लिए खुद को करें पक्का करें। यह बात बिल्कुल सही है कि एक दम ही किसी आदत को छोड़ा नहीं जी सकता। इसके लिए पहले तो रोज-रोज एडल्ट फिल्में देखने की बजाए महीने में 2-3 बार ही देखने का प्रयास करें। आपने आप को पत्नी और बच्चों के साथ बिजी रखें।

2. एकांत से बचे

आपको अगर अकेले बैठने की आदत है तो इससे आपकी परेशानी और भी बढ़ सकती है। अकेले समय बिताने से अच्छा है अपने परिवार के साथ समय बिताए और बीवी से हर बात शेयर करें।

3. शादीशुदी जिंदगी के ले मजा

शादीशुदी हैं तो सबसे जरूरी है कि लाइफपार्टनर के साथ समय बिताएं। वैवाहिक जिंदगी का आनंद लेने के लिए इस बुरी लत को हमेशा के लिए बॉय-बॉय कहें। इस समय एक दूसरे के साथ खुलकर बात करें और जिंदगी के मजा लें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आलिया हुईं कोरोना पॉजिटिव

बॉलिवुड इंडस्ट्री में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। अब ऐक्ट्रेस आलिया भट्ट कोरोना वायरस की चपेट में आई हैं। उनकी कोविड -19 रिपोर्ट पॉजिटिव आई हैं। आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फैन्स से अपने कोरोना संक्रमण की बात खुद शेयर की है। आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर स्टेटमेंट लिखकर अपनी इस बीमारी की जानकारी फैन्स से शेयर की है। आलिया ने बताया है कि वह कोरोना पॉजिटिव हो गई हैं और फौरन खुद को होम क्वॉरंटीन कर लिया है। रणबीर के बाद अब आलिया भट्ट कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। बताते चलें कि गुरुवार की शाम को रणबीर कपूर और आलिया भट्ट अपने डबिंग सेशन के बाद स्पॉट हुए थे। दोनों स्टार्स डायरेक्टर अयान मुखर्जी की फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में नजर आएंगे। यह पहला मौका होगा जब दोनों एक साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगे। आलिया भट्ट से पहले उनके बॉयफ्रेंड रणबीर कपूर कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। हालांकि, रणबीर कपूर की कोरोना टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आ चुकी है। फिलहाल, आलिया भट्ट इस समय डायरेक्टर संजय लीला भंसाली की फिल्म 'गंगूबाई काठियाबाड़ी' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

ऋचा चड्ढा ने शाहरुख खान से किया प्यार का इजहार

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने हाल ही में अपने फैंस के लिए सोशल मीडिया पर आस्क मी एसआरके सेशन रखा था। इस दौरान शाहरुख ने अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट के जरिए फैंस के कई सवालों के मजेदार जवाब दिए। इसी बीच अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने भी अभिनेता के लिए अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। दरअसल, ऋचा चड्ढा ने शाहरुख के सेशन के दौरान एक ट्वीट किया और उनके प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। ऋचा ने लिखा, मैंने होली पर आपकी और आपकी पत्नी के साथ डांस करते हुए वीडियो देखी। मुझे लगता है कि हम अच्छे दोस्त बन सकते हैं, बल्कि हमें एक साथ कॉलेज में होना चाहिए था। बस प्यार का इजहार कर रह हूं। ऋचा के इस ट्वीट पर उनके बॉयफ्रेंड अली फजल ने भी मजेदार कमेंट किया है। अली ने लिखा, बस भी कीजिए... जरा घर आ जाइए... आज मैंने आपका पसंदीदा खाना बनाया है। अली के इस ट्वीट के बाद फैंस कई तरह की अटकलें लगा रहे हैं। कुछ का तो कहना है कि साफ साफ इनकी जलन दिख रही है। हालांकि ऋचा और अली का यह ट्वीट तेजी से वायरल हो रहा है और लोग जमकर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

'टाइगर 3' की शूटिंग और 'राधे' के प्रमोशन के बीच उलझे सलमान

सलमान खान अपनी फिल्मों को लेकर काफी बिजी हैं। उन्होंने फिल्म 'राधे: योर मोस्ट वॉन्टेड भाई' की शूटिंग को पूरा कर लिया है। इस समय वह फिल्म 'टाइगर 3' की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म 'राधे: योर मोस्ट वॉन्टेड भाई' 13 मई को सिनमाघरों में रिलीज होने वाली है और इसके लिए अप्रैल के आखिर में प्रमोशन शुरू हो जाएगा। दूसरी ओर 'टाइगर 3' की शूटिंग मई के आखिर तक चलेगी। ऐसे में अब देखने वाली बात होगी कि सलमान खान फिल्म का प्रमोशन करेंगे या फिल्म की शूटिंग पूरी करेंगे या फिर वह दोनों काम एक साथ हो जाए, इसके लिए कौन सा हथकंडा अपनाते हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सलमान खान की टीम ने फिल्म 'राधे: योर मोस्ट वॉन्टेड भाई' के प्रमोशन को संभालने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतने के लिए प्लानिंग की है। सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल्स का सख्ती से पालन किया जाएगा। थिएटर मालिकों के साथ खड़े होते हुए सलमान खान ने फिल्म 'राधे: योर मोस्ट वॉन्टेड भाई' को सिनेमाघरों में रिलीज करने का फैसला किया।